Management information System in Drinking Water Sector

1284. SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of RURAL AREAS AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) whether Management Information System (MIS) is already inforce in the Drinking Water Sector; and

(b) if so, the achievements made under the programme?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL AREAS AND EMPLOYMENT (SHRI CHANDRADEO PRASAD VARMA): (a) Yes, Sir.

(b) Proposals received from 12 States have been approved for computerisation and imparting training.

Sanitation work in Rural Areas

1285. SHRI AJIT P.K. JOGI: Will the Minister of RURAL AREAS AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) whether the progress of sanitation work in the rural areas is very slow:

(b) if so, the details thereof;

(c) the amount allocated for the rural sanitation work during 1993-94, 1994-95 and 1995-96;

(d) whether Government propose to enhance the allocation under this programme during the current year; and

(d) if so, the total additional amount likely to be allocated this year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL AREAS AND EMPLOYMENT (SHRI CHANDRADEO PRASAD VARMA): (a) and (b) The physical progress of rural sanitation programme under Centrally Sponsored Rural Sanitation Programme and Minimum Needs Programme in the previous years is as under:—

S. No.	Year	Target (Number of latrines)	Achievement household
1.	1993-94	498075	311969
2.	1994-95	627276	592333
3.	1995-96	870289	746986

The progress has been slow because of poor perception of importance of sanitation, lack of felt need on the part of the beneficiaries, lack of involvement of the community and inadequate financial resources.

(c) The allocation under CRSP for 1993-94, 1994-95 and 1995-96 as under:—

Sl. No.	Year	Allocation (Rs. in lakhs)
1.	1993-94	3000.00
2.	1994-95	6000.00
3.	1995-96	6000.00

(d) No, Sir.

(e) Does not arise.

ग्रामीण जनता हेतु अन्तरिक्ष कार्यक्रम

1286. **श्री गोविन्दराम मिरि:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:

(क) क्या सरकार ने ग्रामीण जनता के उत्थान हेतु अन्तरिक्ष कार्यक्रम के कार्यकरण की समीक्षा की है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में राज्य-वार उपलब्धि क्या रही है, और

(ग) ग्रामीण जनता के लाभार्थ अन्तरिक्ष कार्यक्रम के अन्तर्गत तीन वर्षों के दौरान प्राप्त उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है?

योजना तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र के० अलग): जी, हां। भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम का उद्देश्य अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी का समेकित विकास तथा राष्ट्रीय विकास के लिए इसकी संभाव्यता को उपयोग में लाने की दृष्टि से इसका उपयोग करना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए ग्रामीण विकास की कार्यक्रम संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा विभिन्न स्तरों पर अन्तरिक्ष कार्यक्रम के क्रियाकलापों की समीक्षा और मूल्यांकन किया जाता है।

(ख) और (ग) भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम राष्ट्रीय विकास, विशेष रूप में ग्रामीण जनता के लिए महत्वपूर्ण योगदान करने में सक्षम सिद्ध हुआ है। यह कार्य दो प्रचालनात्मक अन्तरिक्ष प्रणालियों अर्थात् प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंध के लिए मुख्य रूप में भारतीय सुदूर संवेदन (उपग्रह आई०आर०एस०ए) प्रणाली तथा संचार, प्रसारण, दूरदर्शन सेवाएं, ग्रामीण टेलीग्राफी, मौसम विज्ञान, दूरवर्ती शिक्षा इत्यादि के लिए भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह (इनसेट) प्रणाली की सहायता से सिद्ध हुआ है।

देश में 24 राज्यों में स्थापित राज्य सुदूर संवेदन केन्द्र विविध कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए संबंधित राज्यों के संबद्ध विभागों एजेंसियों के साथ प्रभावी रूप में समन्वय कर रहे हैं।

अन्तरिक्ष विभाग द्वारा देश के 174 ज़िलों में सुदूर संवेदन आंकड़ों का उपयोग करते हुए भौगोलिक सूचना प्रणाली की सहायता से स्थानिक विशिष्ट विकास के लिए "दीर्घकालीन विकास के लिए समेकित मिशन" नामक एक प्रमुख परियोजना निष्पादित की जा रही है। प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्ध से संबंधित अनेक उपयोगों, जो ग्रामीण विकास से संबद्ध हैं- जैसे फसल के एकड़वार क्षेत्रफल और पैदावार के अनुमान, परती भूमि अभिनिर्धारण और उपयोगी बनाना, भूमिजल के संभावित क्षेत्रों का अभिनिर्धारण, बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का मानचित्रण और क्षति का आकलन, सूखा मानीटरन, कमाण्ड क्षेत्र का प्रबन्ध, क्षारीय/लवणीय मृदाओं का मानचित्रण पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन इत्यादि के लिए भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ों का सामान्य रूप में उपयोग किया जा रहा है। उपग्रह संचार के क्षेत्र में ग्रामीण विकास से संबंधित कार्यकर्ताओं इत्यादि को प्रशिक्षण और विकासात्मक संचार प्रदान करने के लिए इन्सेट का प्रयोग किया जा रहा है। इस उद्देश्य के लिए इन्सेट पर एक प्रशिक्षण विकास संचार (टी०डी०सी०) चैनल को विशेष रूप में आवंटित किया गया है। पंचायती राज के निर्वाचित प्रतिनिधियों, जलविभाजक विकास कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, प्राइमरी शिक्षकों, महिला और बाल कल्याण कार्यकर्ताओं, सहकारिता के सदस्यों इत्यादि को प्रशिक्षण देने के लिए गुजरात, कर्नाटक और मध्य प्रदेश राज्यों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में एक गहन उपग्रह आधारित ग्रामीण विकासात्मक संचार और प्रशिक्षण परियोजना आयोजित की जा रही है। यह सांगोपांग परियोजना जिले में विकासात्मक क्रियाकलापों को संचार सहायता तथा फील्ड अधिकारियों को और समान्य रूप में जनता को अन्योन्यक्रियाशील प्रशिक्षण प्रदान करेगी। जिन विकासात्मक क्रियाकलापों के क्षेत्रों में संचार सहायता प्रदान की जायेगी, उनमें जल विभाजक प्रबन्धक, स्वास्थ्य, शिक्षा और पंचायती राज शामिल हैं। यह पाइलट परियोजना दो वर्षों की अवधि के लिए है तथा 1996 की अन्तिम तिमाही में शुरू होने वाली है तथा इससे प्राप्त अनुभव के आधार पर देश के अन्य क्षेत्रों में इसका विस्तार/संवर्धन किया जा सकता है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान, सुदूर संवेदन और उपग्रह संचार के क्षेत्रों में विकासात्मक क्रियाकलापों को आगे बढ़ाने के लिए पांच उपग्रह, आई०आर०एस०-श्रृंखला में तीन उपग्रह तथा इन्सेट श्रृंखला में दो उपग्रह प्रमोचित किए जा चुके हैं।

National Memorial of Shri Morarjibhai Desai

1287. SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have planned to establish a national memorial of late Prime Minister and a veteran Gandhian, Shri Morarjibhai Desai;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) how much amount is allotted for the project;

(d) whether a Committee has been formulated to administer the project; and

(e) whether the amount allocated to celebrate late Shri Morarjibhai Desai's Centenary has been diverted for this purpose; if so, what is the amount so diverted?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY of URBAN AFFAIRS & EMPLOYMENT (DR. U. VENKATESWARLU): (a) There is a proposal with the Government to establish a National Memorial of late Shri Morarji Bhai Desai.

(b) It is proposed to establish Morarji Desai Institute of Gandhian Studies to be located at Sabarmati, close to the place where Shri Desai was cremated. The Samadhi and the Institute would together constitute the Memorial to Shri Morarji Desai.

(c) No specific financial allocation has been made for this purpose so far.